## न्यूज डायरी

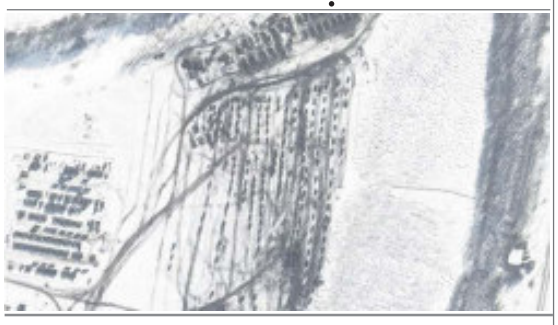

### यूक्रेन सीमा के बेहद करीब पहुंचे सैकड़ों रूसी टैंक

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** कीव। रूस की सैन्य तैयारी के बीच मैक्सर के सैटलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि बड़ी संख्या में घातक हथियार और सैनिक बेलगोरोड के पश्चिमोत्तर हिस्से, सोलोती और वालुयकी में देखे गए हैं। रूस के ये कस्बे यूक्रेन की सीमा से मात्र 35 किमी की दूरी पर हैं। मैक्सर ने पाया कि रूसी सेना की पहले की तैयारी और अब की तैयारी में बदलाव आया है। अब तक रूस ने ज्यादातर हथियारों को अपने सैन्य ठिकानों और प्रशिक्षण वाले में तैनात कर रखा था। यही नहीं रूस के कुछ हथियार तो यूक्रेन की सीमा के मात्र 15 किमी की दूरी पर तैनात हैं। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे वीडियो में रूस के करीब 200 टैंकों के यूक्रेन की सीमा से मात्र 5 किमी की दूरी पर जाते हुए देखा गया है। यूक्रेन सीमा पर जा रहे टैंकों पर 'Z' लिखा हुआ है। इससे संकेत मिलता है कि इन्हें लड़ाकू यूनिट के रूप में बनाया गया है।

### रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात को तैयार हुए बाइडन

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वॉशिंगटन। यूक्रेन पर रूसी हमले का खतरा प्रबल होता जा रहा है और अब इसे रोकने के लिए अमेरिका की ओर से अंतिम प्रयास शुरू हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस ने एक बयान जारी करके कहा है कि अगर रूस हमला नहीं करता है तो बाइडन सैद्धांतिक रूप से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात के लिए तैयार हैं। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी दोनों नेताओं के बीच मुलाकात के संकेत दिए थे। वाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका कूटनीति के लिए हमेशा तैयार है। उसने यह भी कहा कि अगर रूस हमला करता है तो अमेरिका कड़े प्रतिबंध लगाएगा। वर्तमान समय में रूस लगातार यूक्रेन पर बहुत जल्द हमले की तैयारी कर रहा है। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कहा था कि राष्ट्रपति जो बाइडन युद्ध को टालने के लिए अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ किसी भी स्थान और समय में किसी भी प्रारूप में बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

### यूक्रेन से अपने राजनयिकों के परिवारों को निकालेगा भारतीय विदेश मंत्रालय

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** कीव। यूक्रेन में गहराते सुरक्षा संकट को देखते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने भारतीय राजनयिकों के परिवारों को वापस लाने का फैसला किया है। भारत सरकार यूक्रेन में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठा रही है और पूर्वी यूरोप के हालातों पर लगातार नजर बनाए हुए है। इससे पहले भारतीय दूतावास ने एक एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों और छात्रों को भारत वापस लौटने की सलाह दी थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने तत्काल युद्धविराम की अपील की है। रूसी हमले के खतरे के बीच यूक्रेन में तनाव लगातार बढ़ रहा है। करीब 20,000 भारतीय नागरिक भी यूक्रेन में मौजूद हैं जिनमें ज्यादातर मेडिकल के छात्र हैं।

### पाक के उत्तरी वजीरिस्तान में गोलीबारी में पांच आतंकवादी मारे गए

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** उत्तरी वजीरिस्तान। पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए एक खुफिया–आधारित आपरेशन में बड़ी सफलता मिली है। बता दें कि उत्तर–पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुई झड़प में सुरक्षा बलों ने 5 आतंकवादियों को मार गिराया है। साथ ही आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारुद भी बरामद किया गया है। गोलाबारी में सेना का एक जवान शहीद हो गया है। इस बात की जानकारी सेना के एक बयान में रविवार को दी गई। पाकिस्तानी अखबार डान की रिपोर्ट में रविवार को बताया गया कि सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए एक खुफिया आपरेशन में पांच आतंकवादी मारे गए हैं। यही नहीं आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारुद भी बरामद किया गया है, जिसमें सब–मशीन गन, हैंड ग्रेनेड और बड़ी संख्या में कई कैलिबर राउंड शामिल हैं।

# रूस यूक्रेन पर फादर ऑफ ऑल बॉम्ब से कर सकता है हमला

## रूस ने जमीन, हवा और समुद्र से मिसाइलों का परीक्षण किया

**दावा**

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

लंदन। रूस और यूक्रेन के बीच जंग जैसे हालात हैं और रूस के करीब दो लाख सैनिकों ने यूक्रेन को घेर रखा है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों से पता चला है कि रूस अपनी सेना को हमले के लिए तैयार कर चुका है। इस बीच ब्रिटिश रक्षा सूत्रों का दावा है कि रूस अपने हमले की शुरुआत फादर ऑफ ऑल बॉम्ब से कर सकता है। रूस का यह बम परमाणु बम के बाद दुनिया में सबसे शक्तिशाली गैर नाभकीय बम माना जाता है। इस बम के फटने से 44 टन टीएनटी के बराबर विस्फोट होता है।

ब्रिटिश अखबार मिरर ने ब्रिटिश रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि रूसी राष्ट्रपति ने श्फादर ऑफ ऑल बॉम्बश को गिराने की मंजूरी दे दी है जो उनके दहशत पैदा करने की रणनीति का हिस्सा है। इस महाविनाशक हथियार को फाइटर जेट से गिराया जा सकता है जो बीच हवा में फट जाता है और उसी

तरह से तबाही मचाता है जैसे एक छोटे परमाणु बम को गिराने से होता है। हवा और ईंधन के मिलने से यह और भी भयानक हो जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बम को गिराने पर सुपरसोनिक लहर उठती है। इस बम के फटने से इतनी ऊर्जा और ताप निकलती है कि यह अपने लक्ष्य को भाप में बदल देता है।

**रूस ने साल 2007 में विकसित किया फादर ऑफ ऑल बॉम्ब**

ब्रिटिश सूत्रों ने कहा कि पुतिन यूक्रेन की जनता के लड़ने के जज्बे को खत्म करने के लिए युद्ध की शुरुआत के तौर पर श्फादर ऑफ ऑल बॉम्बश को गिरा सकते हैं। इस बम को रूस ने कथित तौर पर सीरिया में गिराया था। रक्षा सूत्र ने कहा, इस बम का असर बहुत भयानक होगा। यह एक तरह का मनोवैज्ञानिक हथियार है। इससे बड़ी संख्या में लोग मारे जाएंगे और टैंक तबाह हो जाएंगे। सीएनएन के मुताबिक, फादर ऑफ ऑल बम को अमेरिका के मदर ऑफ ऑल बम से 4 गुना ज्यादा ताकतवर है। फादर ऑफ ऑल बॉम्ब को रूस ने साल 2007 में विकसित किया था।

इससे होने वाली तबाही लगभग परमाणु बम जैसी ही होती है। लेकिन इससे रेडिएशन का खतरा नहीं होता। यह बम फिलहाल सिर्फ रूस के पास है। इस बम को गिराने के बाद यह हवा में ही फट जाता है। फादर ऑफ ऑल बॉम्ब के फटने से 44 टन ऊर्जा पैदा होती है जबकि मदर ऑफ ऑल बम फटने पर 11 टन ऊर्जा पैदा करता है। फादर ऑफ ऑल बॉम्ब का वजन 7 हजार 100 किलोग्राम है। अमेरिका ने जब अफगानिस्तान पर अपना गैर–परमाणु बम गिराया था तब उसने जमीन में 1000 फीट नीचे तक छेद कर दिया था और आसपास का पूरा इलाका तबाह हो गया था। रूस का बम अमेरिका से कई गुना ज्यादा तबाही मचा सकता है।

इससे पहले रूस ने यूक्रेन में जारी तनाव के बीच शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र से महाविनाशक मिसाइलों की बारिश का अभ्यास करके पूरी दुनिया को दहशत में डाल दिया था।

## नेपाल में अमेरिकी सहायता के खिलाफ हिंसक बवाल

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** काठमांडू। नेपाल में 50 करोड़ डॉलर की अमेरिकी सहायता मिलेनियम कॉर्पोरेशन चैलेंज को लेकर घमासान मचा हुआ है। पुष्प कमल दहल प्रचंड के सरकार गिराने की धमकी के बाद भी प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की सरकार ने संसद में एससीसी समझौते को पेश कर दिया। देउबा सरकार ने चीन के दबाव के आगे न झुकते हुए कहा कि नेपाल हमेशा एक स्वतंत्र, संतुलित और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति का अनुसरण करता रहा है। नेपाल की संप्रभु संसद यह तय करेगी कि देश के लिए किस तरह की विकास सहायता की आवश्यकता है। एससीसी के संसद में पेश होने के बाद देशभर में हिंसक प्रदर्शन हुए हैं।

नेपाल की देउबा सरकार ने एमसीसी को ऐसे समय पेश किया है जब सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल दो दल इसका विरोध कर रहे हैं। सबसे ज्यादा विरोध प्रचंड की पार्टी सीपीएन यूएमएल कर रही है। सीपीएन यूएमएल नेपाल की संसद के बाहर जोरदार प्रदर्शन भी किया है। यही नहीं प्रचंड की पार्टी जहां सरकार में हिस्सेदार बनी हुई है, वहीं उसकी छात्र शाखा ने सड़कों पर हिंसक प्रदर्शन किया है। दरअसल, प्रचंड की सरकार गिराने की धमकी के बाद पीएम देउबा ने पूर्व केपी शर्मा ओली से मुलाकात की थी।

### काले कानून' के खिलाफ इमरान पर भड़कीं मरियम नवाज

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** इस्लामाबाद। पाकिस्तान के मुख्य विपक्षी दल मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने इमरान खान सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने इमरान खान सरकार पर इलेक्ट्रानिक अपराध रोकथाम अधिनियम में संशोधन करने के फैसले पर सवाल उठाए। मरियम नवाज ने कहा पीटीआई के नेतृत्व वाली सरकार जो कानून पारित कर रही है, उसका इस्तेमाल भविष्य में प्रधानमंत्री इमरान खान एंड कंपनी के खिलाफ किया जाएगा। उन्होंने कहा, आगे ऐसा मत कहना कि तुम्हें चेतावनी नहीं दी गई थी। दरअसल, पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ने हाल ही इलेक्ट्रानिक अपराध रोकथाम अधिनियम में संशोधन किया है।

## रूस को करारा जवाब देने की तैयारी में अमेरिकी सेना

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

वॉशिंगटन। यूक्रेन को लेकर दुनिया की दो महाशक्तियां अमेरिका और रूस आमने–सामने हैं। रूस ने जहां यूक्रेन की सीमा पर करीब दो लाख सैनिक तैनात करके जोरदार परमाणु अभ्यास किया है। वहीं अब अमेरिकी सेना ने भी यूक्रेन की सीमा के पास नाटो सदस्य देश पोलैंड में तबाही मचाने का अभ्यास किया है। ये अमेरिकी सैनिक हजारों की तादाद में राष्ट्रपति जो बाइडन के आदेश पर पोलैंड पहुंचे हैं। अमेरिकी सेना के साथ पोलैंड की सेना भी युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रही है।

माना जा रहा है कि रूस और बेलारूस के जोरदार सैन्य अभ्यास के बाद अब अमेरिका और पोलैंड की सेना ने शक्ति प्रदर्शन शुरू किया है। पोलैंड के रक्षा मंत्री मरउस्ज ब्लास्जकजाक ने रविवार के बताया कि पूरे सप्ताह में पोलैंड की सेना ने देश के दक्षिणी पूर्वी हिस्से में अमेरिका के 82वीं एयरबॉर्न डिविजन के साथ मिलकर सैन्य अभ्यास किया है। इससे पहले अमेरिका ने रूस के सैन्य जमावड़े को देखते हुए हजारों की तादाद में अतिरिक्त सैनिकों को पोलैंड और रोमानिया भेजा था। यही नहीं सेना भेजने के साथ–साथ अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ब्रिटेन, कनाडा, पोलैंड और कई अन्य देशों ने यूक्रेन को अरबों डॉलर के घातक हथियार और मिसाइलें दी हैं। अमेरिकी सेना ने कहा है कि यूक्रेन की सीमा से सटे नाटो सहयोगी देश पोलैंड में उनकी मौजूदगी से रूसी तनाव के बीच पूरे इलाके को सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। रूस के हमले के खतरे को देखते हुए अमेरिका ने पोलैंड में अब तक 9 हजार सैनिकों की तैनाती कर दी है।

आमदिनों में पोलैंड में करीब 4 हजार अमेरिकी सैनिक हमेशा तैनात रहते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ताजा तनाव को देखते हुए 4 हजार अतिरिक्त सैनिकों को पोलैंड में तैनात किया है। उधर, अमेरिका की पोलैंड में इस सैन्य तैयारी से रूस भड़का हुआ है।

### एफएटीएफ के मानदंडों से सहमी इमरान सरकार, क्या होगा असर?

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। दो दिन बाद फ्रांस की राजधानी पेरिस में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की बैठक शुरू हो रही है। इस बैठक को लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की की सांसे अटकी हुई है। उनको इस बात की चिंता सता रही है कि कहीं एफएटीएफ पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट में न डाल दे। हालांकि, इस समय पाकिस्तान ग्रे लिस्ट में शामिल है। ग्रे लिस्ट में रहने के चलते पाकिस्तान का प्रत्येक वर्ष कितना आर्थिक नुकसान हो रहा है। इससे पाकिस्तान की छवि क्यों धूमिल हो रही है। प्रो. हर्ष वी पंत का कहना है कि अगर एफएटीएफ पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट में शामिल करता है तो उसकी अर्थव्यवस्था पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। इसका सबसे ज्यादा असर पाकिस्तान को मिल रही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक मदद पर होगा। अगर पाकिस्तान ब्लैक लिस्ट में शामिल होता है तो आइएमएफ, एडीबी, वर्ल्ड बैंक या अन्य कोई अंतरराष्ट्रीय फाइनेंशियल संस्था या संगठन उसे आर्थिक मदद नहीं करेगा।